RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : शुक्रवार 17 मई 2024 वर्ष 06 अंक 29 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

पीएम मोदी के रुख से बढ़ सकता है सांप्रदायिक वैमनस्यः शरद पवार

Page - 4

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

कल्याण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कांग्रेस मुसलमानों के लिए 15% बजट आवंटित...

मुंबई: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कांग्रेस पर पिछड़े वर्गों से आरक्षण कोटा लूटकर मुसलमानों को देकर ''वोट जिहाद'' करने की योजना का आरोप लगाने से पहले हिंदू-मुस्लिम राजनीति का सहारा लेने से इनकार किया। कल्याण के समर्थन में एक रैली को संबोधित करते हुए महायुति गठबंधन के उम्मीदवार श्रीकांत शिंदे और कपिल पाटिल के साथ प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि उनकी सरकार ने सत्ता में लौटने के बाद पहले 100 दिनों में किए जाने वाले विकास कार्यों का खाका पहले ही बना लिया है।

''हमारे युवाओं के पास नवीन विचार हैं। मैं उनसे अपील करता हूं कि वे इन्हें मेरे पास भेजें।' मैं अपनी योजना को 125 दिनों तक बढ़ाकर सर्वश्रेष्ठ का चयन करूंगा और उन्हें लागू करूंगा। पहले चार महीने 2047 तक [एक विकसित भारत] के मेरे दृष्टिकोण को करीब लाने में मदद करेंगे, ''उन्होंने कहा। मोदी के भाषण का एक महत्वपूर्ण हिस्सा कांग्रेस पर हमला करने के लिए समर्पित था, जिस पर उन्होंने दशकों तक विभाजनकारी राजनीति करने का आरोप लगाया था।

''कांग्रेस केवल हिंदू-मुस्लिम राजनीति जानती है, और विकास केवल उनके लिए है जो उन्हें वोट देते हैं। जब मैं उन्हें बेनकाब करता हूं, तो उनका पारिस्थितिकी तंत्र चिल्लाता है कि मोदी सांप्रदायिक राजनीति में लिप्त हैं। इतिहास उनके कृत्यों का गवाह है। उन्हें यह जांचने के लिए अपने एल्बम खोलने होंगे कि उनके दादा-दादी कौन हैं, यह पता लगाने के लिए कि वे स्वयं कौन हैं।

मोदी ने अपने पहले के दावे को दोहराते हुए कहा कि कांग्रेस चाहती है कि मुसलमानों को देश की संपत्ति पर पहला अधिकार मिले, उन्होंने कहा कि वह एक बैठक में उपस्थित थे जिसमें पूर्व प्रधान मंत्री मनमोहन सिंह ने यह कहा था। उन्होंने यह भी दावा किया कि कांग्रेस और उसके सहयोगी हिंदू और मुसलमानों के लिए अलग-अलग विकास बजट चाहते थे।''कांग्रेस मुसलमानों के लिए 15% बजट आवंटित करना चाहती थी। क्या [अलग] हिंदू और मुस्लिम बजट से देश को फायदा होगा? गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में मैं इसका विरोध करने वाला पहला व्यक्ति था। अगर कांग्रेस और इंडी गठबंधन सत्ता में वापस आते हैं, तो वे ऐसा करेंगे। ऐसे लोगों को महाराष्ट्र में एक भी सीट नहीं जीतने दी जानी चाहिए.' तथ्य यह है कि पहले चार चरणों में, महाराष्ट्र ने INDI गठबंधन को हरा दिया है।'' यह कहते हुए कि भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार के 10 वर्षों के बाद देश अब सुरक्षित है, मोदी ने विपक्ष पर हमला करते हुए कहा कि बम विस्फोट, आतंकवादी धमकियाँ, गोलीबारी पिछली सरकारों के दौरान सीमा पर नक्सली हमले रोजाना होते थे। ''जब से आपने मोदी को सत्ता सौंपी है, क्या आपने इसके बारे में सुना है? सर्जिकल और हवाई हमलों ने पाकिस्तान को परमाणु धमकी जारी करने से रोक दिया है। कांग्रेस अब उनके लिए सम्मान मांग रही है क्योंकि उनके पास परमाणु बम हैं। पाकिस्तान के पास इसके दैनिक रखरखाव के लिए भी पैसे नहीं हैं।'' मोदी कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर के एक पुराने वीडियो का जिक्र कर रहे थे जिसमें उन्होंने भारत से पाकिस्तान को सम्मान देने के लिए कहा था क्योंकि उसके पास परमाणु बम हैं।

मोदी ने शिव सेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे पर भी हमला करते हुए कहा, ''जो लोग बालासाहेब [ठाकरे] के साथ बड़े हुए वे कांग्रेस का समर्थन कर रहे हैं। नकली शिवसेना छत्रपति शिवाजी महाराज और वीर सावरकर का अपमान करने वाले शहजादा (राहुल गांधी का जिक्र) के साथ है। मैं नकली शिवसेना एनसीपी को चुनौती देता हूं कि वह शहजादा से सावरकर की प्रशंसा में पांच वाक्य बोलवाएं।'

मुंबई होर्डिंग दुर्घटना बचाव अभियान 60 घंटे बाद समाप्त, मलबा हटाने का काम शुरू...

मुंबई : एक विशाल होर्डिंग के दुर्घटनाग्रस्त होने और 16 लोगों की मौत के लगभग 60 घंटे बाद, अधिकारियों ने गुरुवार को बड़े पैमाने पर बहु-एजेंसी बचाव अभियान बंद कर दिया और त्रासदी स्थल पर मलबा हटाने का काम शुरू कर दिया। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के आयुक्त भूषण गगरानी ने घटनास्थल का दोबारा दौरा किया और 13 मई की दुर्घटना में बचाव कार्य का निरीक्षण किया, जिसमें कम से कम 88 लोग घायल हो गए थे।

किसी और पीड़ित के ठीक होने की संभावना के साथ, एनडीआरएफ, मुंबई पुलिस, मुंबई फायर ब्रिगेड, बीपीसीएल और नागरिक कर्मचारियों की बचाव टीमों ने अपनी क्रेन, पॉकलेन और जेसीबी के साथ ऑपरेशन रोक दिया। गगरानी ने कहा कि इलाके में भारी मात्रा में मलबा हटाने के काम में अधिक समय लगेगा. बारिश और तेज हवा के साथ अचानक आई धूल भरी आंधी के बाद बीपीसीएल के पेट्रोल पंप और गैस स्टेशन पर एक बड़ा बिलबोर्ड गिर गया, जिसमें सौ से अधिक लोग फंस गए। बचाव टीमों ने गैस कटर जैसे उपकरणों का उपयोग किए बिना अत्यधिक सावधानी बरती क्योंकि पेट्रोल पंप पर भूमिगत टैंकों में अनिर्दिष्ट मात्रा में ईंधन संग्रहीत था, जिससे ऑपरेशन में बाधा आ रही थी। बिलबोर्ड दुर्घटना के लगभग चार दिन बाद, यह क्षेत्र अभी भी कुचली हुई कारों, दोपहिया वाहनों, आसपास के घरों, 120ग120 फीट के विशाल होर्डिंग के टूटे हुए हिस्सों, इसके धातु गार्डर, छड़ों आदि के साथ एक आपदा क्षेत्र जैसा दिखता है।

बीएमसी ने सेंट्रल रेलवे (सीआर) और वेस्टर्न रेलवे (डब्ल्यूआर) से सभी अवैध होर्डिंग्स या 40ग40 फीट के आकार के मानदंडों का उल्लंघन करने वाले होर्डिंग्स को प्राथमिकता के आधार पर हटाने के लिए कहा है। अधिकारियों ने कहा कि बीएमसी ने संरचनात्मक स्थिरता, हवा के वेग को झेलने की क्षमता, जमीन से ऊंचाई, आसपास की संरचनाओं आदि जैसे विभिन्न मापदंडों पर मुंबई के क्षितिज को ध्यान में रखते हुए 1,025 बड़े और छोटे होर्डिंग्स का ऑडिट भी शुरू कर दिया है, जो संभावित है।

माह के अंत तक पूरा किया जाना है। मुंबई त्रासदी से घबराए पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ के जुड़वां शहरों ने भी एहतियात के तौर पर अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में लगाए गए सभी होर्डिंग्स का एक स्वतंत्र सर्वेक्षण शुरू कर दिया है और कई अनियमितताएं सामने आ रही हैं।

नासिक के चुनाव अधिकारियों ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री की ली तलाशी

मुंबई : विपक्षी दलों द्वारा चल रहे चुनावों के दौरान भारी मात्रा में नकदी इधर-उधर किए जाने के आरोप के तीन दिन बाद, सुरक्षा और भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) के अधिकारियों ने पंचवटी में एक हेलीपैड पर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के सामान की जांच की। गुरुवार। जैसे ही उनका हेलीकॉप्टर उतरा, शिंदे के बैग की जांच की गई और सार्वजनिक और मीडिया के सामने सड़क पर ही खोला गया। हालाँकि, टीम को सीएम के कुछ सेट कपड़े, दवाइयां और अन्य निजी सामान ही मिले। अधिकारियों द्वारा सामान की जांच करने का वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है. बैग में कुछ भी आपत्तिजनक नहीं मिलने पर स्थानीय पुलिस और ईसीआई अधिकारियों ने दोनों बैग सीएम के सहयोगियों को सौंप दिए जो क्षेत्र में चुनावी रैलियों में भाग लेने के लिए आगे बढ़े।

यह घटनाक्रम - जिसे कई लोग अभूतपूर्व मानते हैं - विपक्षी महा विकास अघाड़ी के सहयोगियों कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) द्वारा आरोप लगाए जाने के तीन दिन बाद आया है कि चुनावों में इस्तेमाल के लिए कथित तौर पर बड़ी मात्रा में नकदी हस्तांतरित की जा रही थी। 13 मई को, एसएस (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने एक हेलीकॉप्टर से दो बैग निकाले जाने का वीडियो ट्वीट किया और दावा किया कि उनमें कम से कम 12-13 करोड़ रुपये थे।

अहमदनगर में एक सड़क पर नोटों की गड्डियां पाए जाने के इसी तरह के आरोप राकांपा (सपा) विधायक रोहित आर. पवार ने भी लगाए थे, जबकि कांग्रेस विधायक और लोकसभा उम्मीदवार रवींद्र धांगेकर ने शिकायत की थी कि पुणे में एक झुग्गी बस्ती में नकदी बांटी गई थी। हालाँकि, सत्तारूढ़ महायुति के सहयोगियों ने आरोपों को खारिज कर दिया और इसे हताशा के कृत्य के अलावा और कुछ नहीं बताया, और कहा कि विपक्षी दल मौजूदा चुनावों में हार की ओर देख रहे हैं। अलग-अलग सतर्कता अभियानों में, पुलिस और ईसीआई टीमों ने पिछले कुछ महीनों में राज्य के विभिन्न हिस्सों से अलग-अलग मात्रा में नकदी जब्त की है क्योंकि 13 लोकसभा सीटों के लिए अंतिम चरण का मतदान 20 मई को होना है।

संपादकीय...

370 के बाद कश्मीरी जनादेश

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

जम्मू-कश्मीर की श्रीनगर सीट पर आम चुनाव के चौथे चरण में करीब 38 फीसदी मतदान हुआ। यह 1996 के बाद सर्वाधिक मतदान है। तब 40.9 फीसदी वोट डाले गए थे। राष्ट्रीय संदर्भ में यह बहुत कम मतदान लग सकता है, लेकिन कश्मीर के नाजुक हालात के मद्देनजर यह ऐतिहासिक और उत्साही मतदान है। 1998 के 30 फीसदी मतदान का भी रिकॉर्ड टूट गया है। पिछले आम चुनाव 2019 में, अनुच्छेद 370 को निरस्त करने से पहले, श्रीनगर सीट पर मात्र 14 फीसदी मतदान हुआ था। संसद के जरिए 5 अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 निरस्त किया गया। उसके बाद का यह पहला लोकसभा चुनाव है। चुनावी लोकतंत्र और कश्मीरी जनादेश को मतदाताओं की ऐसी भागीदारी से ताकत मिलेगी। हालांकि अमन-चैन और संपूर्ण सामान्य हालात बनना फिलहाल एक लंबी प्रक्रिया है, लेकिन कश्मीर बदला है और बदल रहा है। कश्मीरी घाटी में मतदान के ऐसे रुझानों को पढ़ना और समझना बेहद मुश्किल और पेचीदा है। मतदान पर दमन और दबाव के आरोप लगते रहे हैं। मतदान से पहले सुरक्षा-व्यवस्था सबसे अहम सरोकार था, क्योंकि 4 मई को भारतीय वायुसेना के काफिले पर आतंकी हमला किया गया था। पुंछ इलाके के उस हमले में हमारा एक जांबाज सैनिक 'शहीद' हुआ और 4 सैनिक घायल हुए थे। कश्मीर में ऐसा टुकड़े-टुकड़े आतंकवाद आज भी मौजूद है। कश्मीर का राजधानी-शहर श्रीनगर आज चहल-पहल में डूबा है। लोग पार्क में बैठे पार्टी कर रहे हैं और पत्रकारों को भी चाय-नाश्ते की पेशकश कर रहे हैं। श्रीनगर में चुनाव के वक्त इसकी कल्पना भी नहीं की जाती थी। लोग प्रधानमंत्री मोदी और उनके बदलावों की भी चर्चा कर रहे थे।

घाटी में तो भाजपा का अस्तित्व ही नहीं रहा है। भाजपा ने अपना उम्मीदवार भी श्रीनगर से खड़ा नहीं किया था। वह किसी 'अपनी पार्टी' और 'पीपुल्स कॉन्फ्रेंस' को चुनावी समर्थन दे रही थी, यह भी गप्पबाजी के अलावा कुछ नहीं है। श्रीनगर सीट पर फारूक अब्दुल्ला की 'नेशनल कॉन्फ्रेंस' और महबूबा मुफ्ती की 'पीडीपी' ने एक-दूसरे के खिलाफ प्रत्याशी उतारे थे, हालांकि दोनों ही 'इंडिया' गठबंधन के घटक हैं। वे इतने मतदान को अनुच्छेद 370 निरस्त करने के खिलाफ कश्मीरियों का गुस्सा करार देते हैं। अभी जम्मू-कश्मीर की शेष सीटों पर मतदान होना है, लेकिन भाजपा का मानना है कि अनुच्छेद 370 कोई मुद्दा ही नहीं रहा। भाजपा के लिए यह ऐतिहासिक इसलिए है, क्योंकि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने 'एक विधान, एक निशान, एक प्रधान' के लिए लंबा संघर्ष किया था। उनकी शहादत आज भी एक रहस्य है। अनुच्छेद 370 'जनसंघ' के दौर से एक वैचारिक और सैद्धांतिक एजेंडा रहा है। मोदी सरकार ने अगस्त, 2019 में संसद के जरिए इसे निरस्त किया और उसके बाद आम कश्मीरी आंदोलित भी नहीं हुआ। कश्मीर में 'तिरंगा' फहराया जा रहा है। भारत का संविधान और तमाम कानून कश्मीर में भी प्रभावी हो गए हैं। आरक्षण की व्यवस्था भी लागू कर दी गई है। गैर-कश्मीरी भी जमीन खरीद कर अपना कारोबार कर रहे हैं। कश्मीरी महिलाओं के पारिवारिक और वैवाहिक हक शेष भारत की तरह लागू कर दिए गए हैं। कश्मीर बदल गया है, इसका पुख्ता सबूत यह है कि आम चुनाव के जरिए जनादेश भी शांति और सद्भाव से दर्ज करा दिया गया है। यकीनन यह बदले और नए कश्मीर का पहला जनादेश है। टीवी चैनलों पर असंख्य कश्मीरियों को यह कहते सुना और देखा गया-बेशक बहुत कुछ बदल गया है। अब हम रात-दिन सक्रिय और सुरक्षित हैं।''

editor@rokthoklekhaninews.com
+91 99877 75650
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

महाराष्ट्र की राजनीति में राज ठाकरे की क्या स्थिति है?

पवार ने दो वाक्यों में दिया जवाब, मोदी के रोड शो की भी आलोचना की

नासिक: शरद पवार ने पिछले दिनों कई राजनीतिक पार्टियों को तोड़ा। इसलिए, शरद पवार ने मनसे प्रमुख राज ठाकरे को जवाब दिया है जिन्होंने आलोचना की थी कि शरद पवार की पार्टी विभाजित हो गई है। वह गुरुवार को नासिक में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोल रहे थे। इस मौके पर राज ठाकरे द्वारा की गई आलोचना का मुद्दा उठाया गया। इस पर शरद पवार ने कहा कि फिलहाल यह पता नहीं है कि राज ठाकरे की महाराष्ट्र की राजनीति में क्या स्थिति है? मैंने सुना है कि नासिक उनका गढ़ है। लेकिन अब वे नासिक में नजर नहीं आते। इन दो वाक्यों से परे शरद पवार राज के बारे में बात करने से बचते रहे।

इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में शरद पवार ने प्रधानमंत्री मोदी को लेकर एक किस्सा सुनाया। इससे पहले एक बार मोदी ने मुझसे कहा था कि मैं आपके साथ इजराइल दौरे पर आना चाहता हूं। मैं उन्हें इजराइल ले गया। इजराइल में कृषि प्रौद्योगिकी और बाकी सभी चीजों के बारे में विस्तार से बताया गया है। यह सब जानते हुए भी मोदी आज जो बात कर रहे हैं वह मेरी राय में राजनीति है। शरद पवार ने कहा कि जब वह मुख्यमंत्री थे तो राज्य के विकास में उनकी वास्तविक रुचि थी लेकिन अब उनकी राजनीति में वास्तविक रुचि है। नरेंद्र मोदी लोकसभा चुनाव प्रचार में धार्मिक आरक्षण के मुद्दे पर बात कर रहे हैं। मोदी का आत्मविश्वास कम हो गया है। पवार ने कहा, परिणामस्वरूप, मोदी भटक गए हैं। मैं पूरे राज्य में घूम रहा हूं। महाविकास अघाड़ी के प्रति मेरा रुझान अनुकूल है। लोग बदलाव के लिए तैयार हैं। यह विचार कि भाजपा और उसके जैसी ताकतों को किनारे कर दिया जाना चाहिए, विशेष रूप से किसान वर्ग का मानना है। शरद पवार ने कहा कि जनमत बीजेपी के साथ नहीं है।

मुंबई जैसे शहर में रोड शो करना कोई बुद्धिमानी की निशानी नहीं है। लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ता है, ट्रैफिक जाम हो जाता है। मोदी ने रोड शो किया, यह वर्ग मुख्यतः गुजराती है। मोदी रोड शो करना चाहते थे, मुंबई बड़ी सड़कों वाला इलाका है। लेकिन मोदी का निशाना एक खास वर्ग था। हालांकि, शरद पवार ने टिप्पणी की, कि इससे लोगों को परेशानी हुई।

महारेरा ने सेवानिवृत्ति घरों और वरिष्ठ नागरिक आवास परियोजनाओं के लिए विशिष्टताएँ जारी कीं

मुंबई: महाराष्ट्र रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण (महारेरा) द्वारा एक परिपत्र के माध्यम से सेवानिवृत्त और वरिष्ठ नागरिकों के आवास के लिए विस्तृत नियमों की घोषणा की गई है। दिशानिर्देश ऐसे आवास परियोजनाओं के लिए प्राथमिक आवश्यकताओं जैसे भवन डिजाइन, रसोई, बाथरूम, हरित भवन सिद्धांत, लिफ्ट और रैंप, सीढ़ियां, गलियारे, प्रकाश और वेंटिलेशन और सुरक्षा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए संकलित किए गए हैं।

इन परियोजनाओं को निष्पादित करते समय इन न्यूनतम भौतिक विशिष्टताओं का अनुपालन अनिवार्य है। पूरे महाराष्ट्र में विनियमन के कार्यान्वयन के साथ, डेवलपर्स को अब बिक्री के लिए समझौते में प्रावधानों को भी शामिल करना होगा।फरवरी की शुरूआत में, महारेरा ने सेवानिवृत्ति और वरिष्ठ नागरिक आवास परियोजनाओं के लिए मसौदा मॉडल दिशानिर्देशों पर एक परिपत्र जारी किया था और विभिन्न हितधारकों से सुझाव और विचार आमंत्रित किए थे। महारेरा को अनुकूल प्रतिक्रिया मिली और वरिष्ठ नागरिकों और उनके संगठनों सहित कई उपयोगी सुझाव दिए गए। न्यूनतम भौतिक विशिष्टताओं को अंतिम रूप देते समय इन्हें भी शामिल कर लिया गया है।मसौदा आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय द्वारा जारी मॉडल दिशानिर्देशों के आधार पर तैयार किया गया था। महारेरा का उद्देश्य इन आवास परियोजनाओं में रहने वाले सभी वरिष्ठ नागरिकों के लिए मानकीकृत कोड और सुविधाएं सुनिश्चित करना है।

मुंबई के बाद अब पुणे में होर्डिंग गिरने से हादसा हो गया

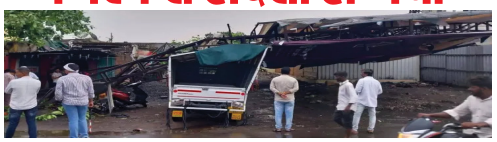

पुणे : मुंबई के बाद अब पुणे में होर्डिंग गिरने से हादसा हो गया. बारिश के दौरान पिंपरी-चिंचवड़ शहर के मोशी में सड़क किनारे लगा लोहे का होर्डिंग गिर गया. हालांकि गनीमत ये रही कि कोई भी जान माल का नुकसान नहीं हुआ. दोपहर करीब साढ़े चार बजे शहर के कुछ हिस्सों में तेज हवाओं के साथ बारिश हुई. तेज हवा के कारण जय गणेश एम्पायर चौक पर सड़क किनारे लगा लोहे का बड़ा होर्डिंग गिर गया. बताया जाता है कि चार बाइक व एक टेंपो क्षतिग्रस्त हो गये. गनीमत यह रही कि यह होर्डिंग सड़क पर नहीं गिरा।

घाटकोपर में भी गिरा था होर्डिंग घाटकोपर होर्डिंग हादसे में रेस्क्यू ऑपरेशन आखिरकार पूरा हो गया है। इस हादसे में कुल 16 लोगों की मौत हो गई है। यह जानकारी मुंबई नगर निगम आयुक्त भूषण गगरानी ने गुरुवार सुबह पत्रकारों को दी है। गगरानी ने बताया कि घाटकोपर होर्डिंग हादसे के बाद से ही पिछले तीन दिनों से एनडीआरएफ के जवान सेंसर और डॉग टीम की मदद से यह पता लगाने की कोशिश की जा रही थी कि होर्डिंग्स के मलबे के नीचे कोई फंसा तो नहीं है। इस हादसे में दुर्भाग्यवश 16 लोगों की मौत हो गई है। ये रेस्क्यू ऑपरेशन अब पूरा हो गया है। इस अभियान में 60 घंटे में लगे।

इस रेस्क्यू ऑपरेशन में मुंबई नगर निगम, मुंबई पुलिस, एमएमआरडीए, एनडीआरएफ, महानगर गैस ने समन्वय बनाकर रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा किया है। दुर्घटना स्थल पर पूरी जांच की गई है, इसमें कोई अन्य व्यक्ति मलबे के नीचे दबा नहीं है। हालांकि मौके पर अब भी होर्डिंग का मलबा हटाने का काम चल रहा है। इस हादसे में मरने वालों के परिजनों को तत्काल सहायता उपलब्ध करायी जायेगी।

घाटकोपर होर्डिंग ढहने की घटना: भावेश भिड़े को मुंबई पुलिस ने किया गिरफ्तार

मुंबई : घाटकोपर होर्डिंग ढहने की घटना: अवैध बिलबोर्ड मालिक भावेश भिड़े को मुंबई पुलिस क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया है। भिड़े को उदयपुर से गिरफ्तार कर लिया गया है और उसे मुंबई लाया जा रहा है. मुंबई में एक विशाल होर्डिंग गिरने से मरने वालों की संख्या मंगलवार तड़के बढ़कर 14 हो गई, जिसमें फंसे लोगों के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) रात भर बचाव अभियान चला रहा है। घटना में कम से कम 74 लोग घायल हो गए हैं। एनडीआरएफ इंस्पेक्टर गौरव चौहान ने बताया कि ढहे हुए बिलबोर्ड के नीचे फंसे लोगों को बचाने के लिए खुदाई करने वालों ने मलबे में से आठ शव पहले ही बरामद कर लिए हैं। उन्होंने कहा, चार और शव अभी भी मलबे के अंदर दबे हुए हैं। उन्होंने कहा, ह्य'हमने उनका पता लगा लिया है लेकिन इस पेट्रोल पंप के कारण हम उन्हें नहीं हटा सकते और स्थिति खतरनाक हो सकती है।''

महाराष्ट्र में एनडीए के भीतर क्या सब कुछ ठीक?

नहीं दिख रहे अजित पवार, पीएम के रोड शो से भी नदारद!

महाराष्ट्र : सियासी रूप से देश के दूसरे सबसे बड़े राज्य महाराष्ट्र में एनडीए के भीतर क्या सब कुछ ठीक चल रहा है? ऐसे सवाल हम नहीं, बल्कि वहां की परिस्थितियों से निकल रहे हैं. राज्य की 48 लोकसभा सीटों पर पांच चरणों में वोटिंग हो रही है. अंतिम दौर की वोटिंग अगले सोमवार यानी 20 मई को है. मुंबई की सभी छह सीटों पर भी वोटिंग इसी दिन होगी. इस बीच चुनाव प्रचार अभियान जोरों पर है. एनडीए की ओर से खुद पीएम नरेंद्र मोदी ने मोर्चा संभाल लिया है.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुंबई में मेगा रोड शो किया. इससे पहले नासिक में भी प्रधानमंत्री की भव्य सभा हुई. उस बैठक में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस मौजूद थे. लेकिन, उपमुख्यमंत्री और एनसीपी प्रमुख अजित पवार उपस्थित नहीं हुए. 13 मई को हुए चौथे चरण की वोटिंग के बाद अजित पवार प्रचार अभियान में कहीं नजर नहीं आ रहे हैं. ऐसे में अफवाहें हैं कि अजित पवार किसी अज्ञात जगह पर चले गए हैं.

राज्य की 11 लोकसभा सीटों पर चौथे चरण का मतदान 13 मई को हुआ था. इसमें बारामती लोकसभा क्षेत्र भी शामिल था. बारामती से

अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार और उनकी बहन सुप्रिया सुले मैदान में हैं. इस लड़ाई पर सभी की नजर है. इस बीच अब बारामती में चुनाव के बाद प्रचार सभाओं और दौरों में अजित पवार के नजर नहीं आने से चर्चाएं छिड़ गई हैं.

वाराणसी भी नहीं गए अजित दादा

चौथे चरण की वोटिंग के बाद अजित पवार प्रचार करते नहीं दिखे. वाराणसी में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपना नामांकन दाखिल किया तो मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे मौजूद थे. लेकिन अजित पवार की जगह प्रफुल्ल पटेल वाराणसी में थे. 15 मई को जब प्रधानमंत्री मोदी महाराष्ट्र में थे तो अजित पवार की गैर मौजूदगी एक बार फिर चर्चा का विषय बन गई. नासिक बैठक में छगन भुजबल मौजूद थे. मुंबई में रोड शो के दौरान अजित पवार मौजूद नहीं थे. ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या वह शुक्रवार को महायुति की बैठक में भाग लेंगे? इस बीच सूत्रों ने जानकारी दी है कि अजित पवार फिलहाल बीमारी के कारण आराम कर रहे हैं. इससे पहले भी अजित पवार ने तबीयत बिगड़ने के कारण अचानक कार्यक्रम रद्द कर दिया था. इस बीच उनके चाचा और एनसीपी शरद गुट के प्रमुख शरद पवार लगातार प्रचार कर रहे हैं. अजित पवार के न दिखने को लेकर जब शरद पवार से सवाल किया गया तो उनका जवाब था कि वह सचमुच बीमार हैं. एनसीपी प्रवक्ता अमोल मिटकारी ने कहा कि बारामती में मतदान के बाद अजित पवार शिरूर और बीड चले गए. बारिश के दौरान हुई एक सभा में वह काफी भींग गए और उनके गले में इंफेक्शन हो गया है. उन्होंने बताया कि अजीत दादा बीमार हैं और वह किसी अनजान जगह नहीं गए हैं.

खत्म हो चुका है ब्रांड मोदी: राउत

मुंबई : राज्यसभा सांसद एवं शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) नेता संजय राउत ने बुधवार को प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि उनका '(नरेंद्र) मोदी ब्रांड' खत्म हो गया है और यह शर्म की बात है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने घाटकोपर त्रासदी में 18 लोगों की जान जाने के कुछ ही दिनों बाद मुंबई में मेगा रोड शो आयोजित किया। राउत ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, ''मोदी घाटकोपर में दुर्घटनास्थल का दौरा कर सकते हैं और घड़ियाली आंसू भी बहा सकते हैं।'' उन्होंने यह दावा करते हुए कहा कि महा विकास अघाड़ी और शिवसेना (यूबीटी) ने आम चुनाव के आने वाले नतीजों को

लेकर देश के प्रधानमंत्री में डर पैदा कर दिया है। उन्होंने कहा कि हार के डर से मोदी सड़कों पर हैं और भाजपा अनुकूल परिणाम सुनिश्चित करने के लिए उन्हें सड़कों पर इधर-उधर घुमा रही है।

राउत ने कहा, ''हम मुंबई में छह सीटों पर लड़ रहे हैं और हम उन सभी पर जीत हासिल करने को लेकर आश्वस्त हैं।'' उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री पूरे देश में रोड शो कर रहे हैं, क्या उनके पास कोई अन्य काम नहीं है? प्रधानमंत्री कभी मणिपुर नहीं गये, कभी जम्मू में कश्मीरी पंडितों के आंसू पोंछने नहीं गये। घाटकोपर में एक बिलबोर्ड गिरने से 18 लोगों की मौत हो गयी, उन्हें कोई सहानुभूति नहीं है। आज शायद वह घड़ियाली आंसू बहाएंगे।'' राउत ने कहा, ''महाराष्ट्र में अब तक जिन सीटों पर मतदान हुआ है, उनमें से 90 फीसदी सीटें महाविकास अघाड़ी जीत रही है। एमवीए मुंबई, ठाणे, कल्याण-डोंबिवली, नासिक, डिंडोरी में ज्यादातर सीटें जीतेगी।'' सांसद ने कहा कि मोदी को महाराष्ट्र आना चाहिए, तब उन्हें एहसास होगा कि उनका ब्रांड खत्म हो गया है। उन्होंने कहा कि चार जून के बाद मोदी को हिमालय जाना होगा, उनकी यात्रा की व्यवस्था महाराष्ट्र करेगा।

पीएम मोदी के रुख से बढ़ सकता है सांप्रदायिक वैमनस्य: शरद पवार

मुंबई: प्रमुख शरद पवार ने बुधवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल के दिनों में जो रुख अपनाया है, उससे समुदायों को करीब लाने के बजाय देश में सांप्रदायिक वैमनस्य बढ़ सकता है। पवार महाराष्ट्र के डिंडोरी (एसटी) लोकसभा क्षेत्र में अपनी पार्टी के उम्मीदवार भास्कर भगारे के लिए एक रैली में बोल रहे थे, जहां भाजपा ने मौजूदा सांसद और केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री भारती पवार को मैदान में उतारा है।

''नरेंद्र मोदी देश के पहले प्रधान मंत्री हैं जिन्होंने ऐसे पद लिए हैं जो विभिन्न धर्मों और जातियों के बीच सांप्रदायिक वैमनस्य को बढ़ाएंगे। मैंने आज नासिक में उनका भाषण सुना और यह मेरी उम्मीदों के अनुरूप था। उन्हें ऐसे पद लेने चाहिए थे जो समुदायों और धार्मिक समूहों को करीब लाएंगे, ''पवार ने कहा।

मोदी ने दिन में उसी निर्वाचन क्षेत्र में एक रैली में दावा किया था कि केंद्र में अपने शासन के दौरान कांग्रेस ने मुसलमानों को बजट का 15 प्रतिशत आवंटित करने की योजना बनाई थी।पवार ने क्षेत्र में पानी की कमी का भी जिक्र किया। ''नासिक जिले में पानी की उपलब्धता और उसके वितरण का मुद्दा है। उपलब्ध जल का कुछ भाग गुजरात की ओर मोड़ दिया जाता है; राज्य नेतृत्व इस बारे में क्या कर रहा है?'' उसने पूछा।

मुंबई का वो जहरीली शराब कांड... जिसमें हुई थी 106 लोगों की मौत , कोर्ट ने 4 दोषियों को सुनाई सजा

मुंबई: मुंबई के मालवानी इलाके में 2015 में दौरान जहरीली शराब पीने से 100 से अधिक लोगों की हुई मौत से जुड़े मामले में अदालत ने बुधवार को फैसला सुनाया। अदालत ने दोषी ठहराए गए चार आरोपियों को 10-10 साल सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। चारों दोषियों की पहचान राजू तापकर, डोनाल्ड पटेल, फ्रांसिस डी मेलो और मंसूर खान के तौर पर की गई है।

अदालत ने इन्हें आपराधिक साजिश और गैर इरादतन हत्या से

जुड़ी भारतीय दंड संहिता की धाराओं और बंबई निषेध अधिनियम के तहत 28 अप्रैल को दोषी करार दिया था। अदालत ने हालांकि 10 आरोपियों को यह कहते हुए बरी कर दिया था कि अभियोजन पक्ष मामले में इनकी भूमिका साबित करने में असफल रहा। दरअसल मुंबई के पश्चिमी उपनगर मलाड के मालवानी स्थित लक्ष्मी नगर मलिन बस्ती में 2015 में जहरीली शराब पीने से 100 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। अतिरिक्त सत्र न्यायधीश स्वप्निल तावशिखर ने सजा की घोषणा करते हुए कहा कि दोषी अभियुक्तों को सजा में कोई रियायत देने के लिए उनके समक्ष कोई परिस्थितियां सामने नहीं लाई गई। इसलिए चार आरोपियों को 10-10 साल सश्रम कारावास की सजा सुनाई जाती है।

अदालत में बहस के दौरान लोक अभियोजक प्रदीप घरात ने कहा कि यह बहुत ही गंभीर अपराध है जिसमें 106 लोगों की मौत हो गई और इसलिए दोषियों को अधिकतम सजा दी जानी चाहिए।

पुलिसकर्मी के साथ दुर्व्यवहार, दो भाई गिरफ्तार...

ठाणे : ठाणे जिले के भायंदर में एक पुलिस उपनिरीक्षक के साथ कथित तौर पर दुर्व्यवहार करने के लिए दो भाइयों को गिरफ्तार किया गया। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि आरोपियों की पहचान परशुराम अरमुगम गणपति और सिलाम अरमुगम गणपति के रूप में हुई, जिन्हें मंगलवार को गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों के मुताबिक, घटना 13 और 14 मई की दरमियानी रात को हुई। एक अधिकारी ने बताया, ''पीड़ित पुलिसकर्मी (37) भायंदर थाने में ड्यूटी पर था कि मंगलवार देर रात साढ़े 12 बजे एक व्यक्ति

अपनी पिटाई की शिकायत लेकर वहां पहुंचा। उपनिरीक्षक ने शिकायत पर संज्ञान लिया और उस व्यक्ति को चिकित्सा उपचार के लिए भेज दिया।'' अधिकारी ने बताया कि उपनिरीक्षक ने दूसरे पुलिसकर्मियों को आरोपियों को पकड़ कर थाने लाने को कहा। जब कुछ देर बाद आरोपी भाइयों को थाने लाया गया तो उन्होंने पुलिस अधिकारी के साथ दुर्व्यवहार करना शुरू कर दिया

कैफे मैसूर के मालिक के सायन के घर से 25 लाख रुपये नकद को लूटने के आरोप में 6 में से 2 पुलिसकर्मी गिरफ्तार

मुंबईः सायन पुलिस ने छह लोगों को गिरफ्तार किया है जो खुद को पुलिसकर्मी बताकर कैफे मैसूर के मालिक नरेश नायक के सायन घर से 25 लाख रुपये नकद लेकर भाग गए थे। पुलिस ने कहा कि अपराध के पीछे होटल व्यवसायी का पूर्व प्रबंधक था जिसे मालिक ने बर्खास्त कर दिया था। पुलिस ने कहा कि पूर्व प्रबंधक ने एक योजना बनाई और होटल मालिक को लूटने के लिए दो पुलिस कांस्टेबलों, एक सेवारत और एक सेवानिवृत्त, को ले लिया।

उन्होंने खुद को अपराध शाखा के अधिकारियों के रूप में प्रस्तुत किया और यह आभास देने के लिए कि वे असली पुलिस कर्मी हैं, एक पुलिस वाहन का भी इस्तेमाल किया। ''हमने कुर्ला पश्चिम के निवासी 50 वर्षीय बाबासाहेब भागवत, नेहरू नगर, कुर्ला के 60 वर्षीय दिनकर साल्वी को गिरफ्तार किया है। इस मामले में पूर्व, परेल निवासी 42 वर्षीय सागर रेडेकर, सायन निवासी 52 वर्षीय वसंत नाइक, नागपाड़ा निवासी 50 वर्षीय श्याम गायकवाड़ और गोवंडी निवासी 34 वर्षीय नीरज खंडागले शामिल हैं। नाइक पहले होटल में मैनेजर के पद पर काम करते थे. लेकिन शिकायतकर्ता 44 वर्षीय नरेश नागेश नायक ने उसे बर्खास्त कर दिया था,'' एक पुलिस अधिकारी ने कहा। नाइक की मुलाकात रेडेकर से हुई जो ड्राइवर के रूप में काम करता है और उन्होंने एक साजिश रची। रेडेकर ने रियल एस्टेट एजेंट के रूप में काम करने वाले गायकवाड़ को विश्वास में लिया। इसके बाद गायकवाड़ ने साल्वी को पूरी योजना बताई, जो मुंबई पुलिस से सेवानिवृत्त

कांस्टेबल हैं और मोटर वाहन विभाग में काम करते थे। बदले में साल्वी ने मोटर वाहन विभाग में काम करने वाले और वर्तमान में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के साथ ड्राइवर के रूप में तैनात एक सेवारत पुलिस कांस्टेबल भागवत को अपराध में भाग लेने के लिए मना लिया।

''उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि कम से कम ₹17 करोड़ थे मैसूर स्थित कैफे के मालिक के घर में रखा गया। नरेश के पिता कैफे मैसूर के सह-संस्थापक हैं, जो माटुंगा में एक लोकप्रिय दक्षिण भारतीय खाद्य केंद्र है, ''पुलिस अधिकारी ने कहा। पुलिस ने कहा कि आरोपियों ने नायक के घर जाने के लिए पुलिस जीप का इस्तेमाल किया, जिससे शिकायतकर्ता को यह समझाने में मदद मिली कि वे असली पुलिसकर्मी हैं। उन्होंने शिकायतकर्ता को बताया जो अपने घर पर अकेला था कि उन्हें जानकारी थी कि लोकसभा चुनाव के लिए काला धन उसके घर पर रखा गया था और फिर घर की तलाशी ली और ₹ 25 लाख ले गए।

''उन्होंने नरेश से एक दस्तावेज पर हस्ताक्षर करने के लिए भी कहा जिसमें दावा किया गया हो कि उन्हें उनके खिलाफ कोई शिकायत नहीं है। उन्होंने शिकायतकर्ता को धमकी दी कि वह इसकी शिकायत न करे अन्यथा उसे परिणाम भुगतने होंगे। यह पैसा उसके होटल व्यवसाय से था, लेकिन नरेश अपने घर में अचानक पुलिस कर्मियों को देखकर डर गया और इसलिए उन्हें जाने दिया, ''पुलिस अधिकारी ने कहा। नायक ने बाद में एक दोस्त से संपर्क किया जो मार्गदर्शन के लिए उसे पुलिस स्टेशन ले आया। उसकी कहानी सुनने के बाद, सायन पुलिस ने आईपीसी की धारा 170 (एक लोक सेवक का रूप धारण करना), 420 (धोखाधड़ी), 452 (चोट, हमला या गलत तरीके से रोकने की तैयारी के बाद घर में अतिक्रमण), 506 (आपराधिक धमकी) और 34 के तहत मामला दर्ज किया। (सामान्य इरादा) नकली पुलिस वालों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की। पुलिस अधिकारी ने कहा, ''सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से हमें पता चला कि अपराध में एक पुलिस जीप का इस्तेमाल किया गया था और इसके माध्यम से आरोपी का पता लगाया गया।'' आरोपियों ने सायन पुलिस को बताया कि उन्हें गलत जानकारी थी कि नायक के घर में कितने पैसे हैं। ''हम पैसा वसूलने की प्रक्रिया में हैं। चूँकि वे असली पुलिस वाले थे और उनके पास पहचान पत्र भी थे, इसलिए शिकायतकर्ता डर गया। उन्हें पुलिस वाहन में आते देखकर उन्हें यकीन हो गया कि वे असली थे,'' पुलिस अधिकारी ने कहा।

उद्धव ठाकरे पर निशानाः पीएम मोदी के नाम पर वोट मांगे और बाद में अपना मत बदल लिया - मिलिंद देवड़ा

मुंबई : लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस छोड़ शिंदे गुट की शिवसेना में शामिल होने को लेकर मिलिंद देवड़ा ने बड़ा खुलासा किया है. उन्होंने बातचीत के दौरान बताया कि क्यों वह कांग्रेस छोड़ बीजेपी में शामिल नहीं हुए. दौरान मिलिंद देवड़ा ने कहा कि मेरे लिए कांग्रेस छोड़ना बहुत मुश्किल फैसला था. अब मेरे लिए कांग्रेस अतीत है और मैं अब भविष्य की तरफ देखना चाहता हूं. उन्होंने कहा कि 2014 से 2024 तक मैं वफादार रहा.

कांग्रेस ने मेरे परिवार को बहुत कुछ दिया लेकिन मेरे परिवार ने भी कांग्रेस को काफी कुछ दिया है. ये मैं और कांग्रेस आलाकमान दोनों जानते हैं. लेकिन एक वक्त आता है किसी के जीवन और प्रोफेशन में जब आपके

टेलेंट को कमजोरी के रूप में देखा जा रहा है तो उस व्यक्ति को ये सोचना चाहिए कि मैं यहां क्यों हूं. पार्टी के माध्यम है जिसके जरिए आप जनता की सेवा कर सकते हैं.

बीजेपी की जगह शिवसेना में क्यों गए?

मिलिंद देवड़ा से सवाल किया गया कि आप कहते हैं कि पीएम मोदी दलगत राजनीति से ऊपर उठकर देशहित में फैसले लेते हैं फिर बीजेपी की जगह शिंदे गुट में क्यों गए, इसके जवाब में उन्होंने कहा, ''मैं विचारधारा की जगह विचार पर विश्वास करता हूं. एकनाथ शिंदे ने मुझे कहा कि हमारी पार्टी में आप जैसे लोगों की जरूरत है और ये मेरे लिए सही समय था.'' उद्धव ठाकरे के 'गद्दार' वाले बयान पर पलटवार करते हुए कहा, ''कौन गद्दार है और कौन नहीं इसका फैसला 20 मई और चार जून को हो जाएगा. उन्होंने कहा कि उद्धव ठाकरे ने पीएम मोदी के नाम पर 2014 और 2019 में वोट मांगा और बाद में उन्हें सीएम नहीं बनाए जाने पर बीजेपी को छोड़कर चले गए.''

मुंबई घाटकोपर पंप होर्डिंग हादसा : नीचे कार में मृत मिले दंपत्ति, रुके थे पेट्रोल लेने

मुंबईः एक सेवानिवृत्त एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) मैनेजर और उनकी पत्नी उन 16 लोगों में शामिल थे, जिनकी सोमवार को मुंबई में आई भीषण धूल भरी आंधी के दौरान 250 टन का होर्डिंग गिरने से मौत हो गई। पूर्वी मुंबई में एक पेट्रोल पंप के ऊपर 100 फुट की होर्डिंग गिरने के बाद बुधवार रात सेवानिवृत्त एटीसी मैनेजर 60 वर्षीय मनोज चंसोरिया और उनकी 59 वर्षीय पत्नी अनीता के शव उनकी कार के अंदर पाए गए। वे पेट्रोल पंप पर विशाल होर्डिंग गिरने के बाद मलबे में फंसे 100 अन्य लोगों में से थे। श्री चंसोरिया इस वर्ष मार्च में मुंबई एटीसी के महाप्रबंधक के

रूप में सेवानिवृत्त हुए थे और दंपति जबलपुर चले गए थे। पुलिस ने कहा कि वे सुश्री चंसोरिया के लिए वीजा औपचारिकताएं पूरी करने के लिए कुछ दिनों के लिए मुंबई में थे। उन्होंने बताया कि अपना काम पूरा करने के बाद, दंपति वापस जबलपुर जा रहे थे और तूफान आने पर घाटकोपर पंप पर पेट्रोल भराने के लिए रुके थे।

जब उन्हें कॉल करने पर कोई जवाब नहीं मिला, तो उनका बेटा, जो अमेरिका में रहता है, मदद के लिए मुंबई में अपने दोस्त के पास पहुंचा। दोस्त ने गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई और पुलिस ने यह पता लगाने के लिए जोड़े के मोबाइल फोन को ट्रैक किया कि उनका अंतिम ज्ञात स्थान घाटकोपर पेट्रोल पंप के पास था। दंपति के दोस्त और रिश्तेदार इस उम्मीद से घटनास्थल पर पहुंचे कि उन्हें मलबे से बचा लिया जाएगा। इस दर्दनाक हादसे में अब तक 16 लोगों की मौत हो चुकी है और 41 अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं। बचाए गए लोगों में से 34 लोग बच गए हैं और उन्हें मुंबई के विभिन्न अस्पतालों से इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई है। मलबे से सभी शवों को निकाले जाने के बाद ढहने वाली जगह पर खोज और बचाव अभियान बंद कर दिया गया है।

जबकि बृहन्मुंबई निगम 40*40 फीट से बड़े होर्डिंग की अनुमति नहीं देता है, यह होर्डिंग तीन गुना बड़ा था, 120*120 फीट तक फैला हुआ था और 250 टन वजन का था। चूंकि शहर समुद्र के पास है, इसलिए तेज रफ़्तार की हवाएं समुद्र तट के करीब बनी ऐसी किसी भी विशाल संरचना के लिए खतरा पैदा करती हैं। बिलबोर्ड लगाने वाली विज्ञापन एजेंसी के मालिक भावेश भिंडे के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया गया है। भिंडे के खिलाफ 20 से अधिक पुलिस मामले दर्ज हैं, जिनमें बलात्कार का एक मामला भी शामिल है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने त्रासदी में मारे गए लोगों के परिवारों को 5 लाख रुपये का मुआवजा देने की घोषणा की है और यह भी कहा है कि जो लोग घायल हुए हैं उनके इलाज का खर्च सरकार उठाएगी।

नवनीत राणा के घर पर चोरी... नौकर के खिलाफ केस दर्ज

मुंबई : महाराष्ट्र में बीजेपी लोकसभा सांसद और अमरावती से बीजेपी उम्मीदवार नवनीत राणा के आवास पर चोरी की शिकायत मिली है. नवनीत राणा के पति रवि राणा के नौकर अर्जुन मुखिया के खिलाफ खार पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की गई है. मुंबई पुलिस ने बताया कि अर्जुन मुखिया बिहार का रहने वाला है और वह मुंबई के खार स्थित उसके फ्लैट से 2 लाख रुपये नकद चुराने के बाद से फरार है नवनीत राणा के पति रवि राणा (अमरावती से निर्दलीय विधायक) के निजी सहायक संदीप सासे की पुलिस शिकायत के अनुसार, राणा घरेलू खर्चों

के लिए पैसे देते हैं, ये पैसे महत्वपूर्ण दस्तावेजों के साथ उनके फ्लैट के बेडरूम में स्थित एक अलमारी में रखे जाते हैं. इस अलमारी की चाबी पास ही एक हैंगर पर रखी हुई है. फरवरी में रवि राणा ने सासे को घर खर्च के लिए दो लाख रुपये दिए थे, जिसे सासे ने बेडरूम की अलमारी में रख दिया था. नवनीत राणा के पास करोड़ों की संपत्ति है. चुनावी हलफनामे के अनुसार राणा ने 17.55 करोड़ रुपए की संपत्ति घोषित की है. अमरावती निर्वाचन क्षेत्र में लोकसभा चुनाव फेज 2 में 26 अप्रैल को संपन्न हुआ. अमरावती लोकसभा क्षेत्र में छह विधानसभा सीटें शामिल हैं - बडनेरा, अमरावती, टेओसा, दरियापुर, मेलघाट और अचलपुर. नवनीत राणा अक्सर अपने बयानों को लेकर विवादों में रहती हैं. यहां बता दें, राजनीति में आने से पहले नवनीत राणा पूर्व अभिनेत्री रह चुकी हैं, जिन्होंने मुख्य रूप से तेलुगु सिनेमा में काम किया है.

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhaninews.com